aiiea

सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

cziea

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. डी.आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 8/2018

दिनांक : 18/08/2018

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

प्रिय साथियों ,

विषय : सीजेडआईईए कार्यकारिणी समिति की बैठक के निर्णय।

सीजेडआईईए की कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 12 एवं 13 अगस्त 2018 को सीजेडआईईए के अध्यक्ष काम. एन. चक्रवर्ती की अध्यक्षता में ग्वालियर में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम सीजेडआईईए के विगत सम्मेलन के बाद इस अवधि में दिवंगत साथियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यकारिणी समिति की बैठक में सीजेडआईईए के विगत सम्मेलन के बाद विश्व, देश, उद्योग व संगठन के स्तर पर विभिन्न घटनाक्रमों में आये बदलावों व अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में एआईआईईए की हाल ही में सम्पन्न सचिव मंडल की बैठक के निर्णयों के मध्य क्षेत्र में अमल पर योजना को भी अंतिम रूप दिया गया। बैठक में इस अवधि में सीजेडआईईए के 21 नवंबर 2017 को 25 वर्ष (रजत जयंती) पूर्ण करने के लिए मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मचारियों को क्रांतिकारी बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

कार्यकारिणी समिति ने इस अवधि में मध्यक्षेत्र में एआईआईईए व सीजेडआईईए के आव्हान पर राष्ट्रीय बीमा उद्योग की हिफाजत में चलाये गये अभियान के तहत अपने परिजनों के लिए एक अतिरिक्त पॉलिसी लेने, अभिकर्ताओं को संगठित करने प्रतियोगिता व संवाद कार्यक्रम करने, बीमा धारक सेवा पखवाड़ा, बंद पॉलिसियों को पुन: चालू करने, नुक्कड़ सभाएं, जन अभियान के विभिन्न रूपों, बीमा प्रीमियम पर जीएसटी समाप्त करने हस्ताक्षर अभियान इत्यादि कार्यक्रमों की समीक्षा कर इसे शानदार ढंग से सफल बनाने में योगदान के लिए मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मचारियों का अभिनंदन किया। बैठक में 5 दिनी कार्यदिवस पेंशन के एक और विकल्प, वेतन पुनर्निर्धारण पर वार्ता प्रारंभ करने, नई भर्ती प्रारंभ करने की मांग पर 28 मार्च 2018 के बहिर्गमन हड़ताल की मध्य क्षेत्र में सफलता और हड़ताल की तैयारी के लिए विकास अधिकारी संगठन व प्रथम श्रेणी अधिकारियों के संगठन के साथ संयुक्त अभियान की भी सराहना की। कार्यकारिणी समिति ने सीजेडआईईए के रजत जयंती वर्ष के समारोह, कार्यक्रम व बहुआयामी गतिविधियों के लिए भी मध्यक्षेत्र के समस्त साथियों का अभिनंदन किया।

कार्यकारिणी समिति ने नोट किया कि वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था के बहाली के तमाम दावों के बावजूद बैश्विक पूंजीवाद का संकट गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। यह एक किस्म से वैश्वीकरण की अवहनीयता को ही रेखांकित करता है। जो लोग दुनिया में पूंजी के आवाजाही के तमाम प्रतिबंध समाप्ति की बात करते रहे आज वही संरक्षणवाद की मांग कर रहे हैं। अमरीकी वीसा के लिए प्रतिबंध उसी का एक रूप है। साम्राज्यवादी देशों का आपसी अंतर्विरोध भी तीखा हो रहा है और यह व्यापार युद्ध, करेंसी युद्ध के रूप में भी अभिव्यक्त हो रहा है। इस वैश्विक संकट की मार आज मेहनतकशों के बुनियादी अधिकारों पर दमन व अतिक्रमण के रूप में अभिव्यक्त हो रही है जिससे वैश्विक असमानता बढ़ रही है और अनेक देशों में इसका लाभ उठाकर दक्षिणपंथी ताकतों की सक्रियता बढ़ी है। इसके खिलाफ विश्व मेहनतकशों का प्रतिरोध भी बढ़ा है।

कार्यकारिणी समिति ने इस रौशनी में देश की स्थिति की समीक्षा करते हुए पाया कि वर्तमान भाजपानीत की केन्द्र सरकार खुले बाजार और नवउदारवादी उन्हीं आत्मघाती नीतियों को ही कहीं अधिक आक्रामकता से आगे बढ़ा रही है जिन नीतियों ने देश में चंद घरानों व आमजनों की आमदनी में भारी असमानता की खाई को और गहरा किया है। सरकार के वैश्विक स्तर पर बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दावों के विपरीत देश में 1 प्रतिशत लोग 73 प्रतिशत संपत्ति के मालिक बन गये हैं। बेराजगारी बढ़ रही है, हर क्षेत्र में निजीकरण थोपा जा रहा है, नोटबंदी, जीएसटी ने अर्थव्यवस्था में चौतरफा संकट पैदा किया है, किसान आत्महत्या की दर बढ़ी है, बैंकों में जनता के धन की लूट का खेल, बढ़ते एनपीए और बड़े पैमाने में जनता के धन-लूट आरोपियों के देश छोड़ विदेश भागने के रूप में सामने आया है और सरकार इस पर मौन है। विश्व भूख सूचकांक, लैंगिग सूचकांक या फिर विश्व असमानता रिपोर्ट; भारत की स्थिति भयावह हुई है और हमारा स्थान और नीचे गिरा है। पेट्रोल-डीजल के भाव उछाल पर हैं, महंगाई अनियंत्रित है, रुपये का मूल्य अब तक के सर्वाधिक निचले स्तर पर है, निर्यात घटा है, आयात बढ़ा है लेकिन आत्ममुग्ध वर्तमान केन्द्र सरकार विकास के ढोल पीट रही है। जनता की वास्तविक हालत से यह विलगाव झूठे आंकड़ों और जुमलेबाजी के रूप में प्रकट हो रहा है।

कार्यकारिणी समिति ने यह भी नोट किया कि इस विपरीत आर्थिक परिस्थिति में घटते घरेलू बचत के दौर में भी सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन व आम बीमा कंपनियों का व्यवसायिक प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। एलआईसी ने विगत वित्तीय वर्ष में 3,18,000 करोड़ रुपये की कुल प्रीमियम आय व 5,17,000 करोड़ रुपये की कुल आय अर्जित की है। एलआईसी ने केन्द्र व राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में 2,62,000 करोड़ रुपये निवेश किये हैं तथा निवेश पर 7.63 प्रतिशत वार्षिक आय अर्जित की है। अभी भी प्रीमियम के 71 प्रतिशत और पॉलिसियों के 75

प्रतिशत बाजार हिस्से पर एलआईसी ने अपना वर्चस्व कायम रखा है। इसी तरह आम बीमा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियों ने 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जो वैश्विक वृद्धि की दर से 2 प्रतिशत अधिक है। कार्यकारिणी समिति ने आम बीमा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियों के विलय को भी सकारात्मक घटना विकास माना। इससे निजी प्रतिस्पर्धियों के साथ मुकाबले में सहयोग मिलेगा। कार्यकारिणी समिति ने एआईआईईए सचिव मंडल के निर्णय के अनुरूप आईडीबीआई बैंक के शेयर खरीदने के निर्णय पर निगम के स्वतंत्र निर्णय लेना चाहिए तथा उसकी आड़ में एलआईसी के निजीकरण की मांग उठाये जाने के विरुद्ध जोरदार अभियान चलाने का आव्हान किया। कार्यकारिणी समिति ने मजदूर–किसानों के साझे संघर्ष के विकास की सराहना करते हुए 9 अगस्त 2018 को उनके सत्याग्रह आंदोलन के समर्थन में जबर्दस्त द्वार प्रदर्शन व 14 अगस्त 2018 के सामूहिक रात्रि जागरण कार्यक्रम में विभिन्न मंडल इकाइयों की सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए इनकी सफलता की कामना की।

कार्यकारिणी समिति ने एआईआईईए सचिव मंडल के निर्णय के अनुरूप पांच दिनी साप्ताहिक अवकाश, वेतन पुनर्निर्धारण पर सार्थक वार्ता, पेंशन के अंतिम विकल्प के अवसर व उद्योग में नई भर्ती के सवाल पर एक उचित निर्णय के लिए स्वतंत्र संस्थान के रूप में एलआईसी की कार्यात्मक स्वायत्तता की वकालत की।

कार्यकारिणी समिति ने यह भी नोट किया कि वर्तमान भाजपानीत केन्द्र सरकार की नवउदारवादी आक्रामक नीतियों तथा अपने स्वयं के वायदों को पूरा करने में अक्षमता से इस सरकार के खिलाफ उभर रहे जन असंतोष की व्यापकता को कमजोर करने सांप्रदायिक विभाजन की मुहिम को तेज किया जा रहा है। गौहत्या के नाम पर, धर्म के नाम पर भीड़ की हिंसा की नृशंसता, दलित उत्पीड़न, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार और हिंसा की घटनायें और इस पर केन्द्र सरकार की चुप्पी इसी बात की पुष्टि करता है। कार्यकारिणी समिति ने नोट किया कि विगत वर्ष हुए तीन दिवसीय मेहनतकशों के महापड़ाव, देश में विकसित हो रहे मजदूर–किसानों के साझे संघर्ष और जनता के प्रत्येक हिस्से से दलितों पिछड़ों, अनु. जाति–जनजाति व सभी हिस्सों के वंचितों के उभरते एकताबद्ध संघर्षों को कुंद कर निजीकरण के रास्ते पर सरपट दौड़ने की अपनी नीति पर आगे बढ़ने ही विभाजनकारी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की घृणित कोशिशें हो रही हैं और हर किस्म की सांप्रदायिकता व कार्पोरेट के नवउदारवादी गठजोड़ के खिलाफ लड़े बिना न ही हम उद्योग की हिफाजत कर सकते हैं न ही नौकरी की। कार्यकारिणी समिति ने इस पृष्ठभूमि में दोनों ही प्रदेशों में आगामी चुनावों में बीमाकर्मियों से इन राजनैतिक शक्तियों को पराजित करने अपनी भूमिका सुनिश्चित करने की अपील की।

कार्यकारिणी समिति ने उपरोक्त विश्लेषणों के आधार पर निम्न निर्णय भी लिये–

1. एलआईसी की कार्यात्मक स्वायत्तता तथा नई भर्ती, पेंशन के विकल्प व वेतन पुनर्निर्धारण के सवाल पर एआईआईईए के आव्हान के अनुरूप अभियान जारी रखें व भावी संघर्ष की सफलता के लिए सांगठनिक एकता को मजबूत करें।
2. एआईआईईए सचिव मंडल के निर्णय के अनुरूप पेंशन के एक और विकल्प व 1 अप्रैल 2010 के बाद नई भर्ती में आये साथियों के लिए नई पेंशन योजना को समाप्त कर वर्तमान पेंशन योजना में ही शामिल करने की मांग पर केन्द्र व राज्य सरकार के कर्मचारियों द्वारा यदि एक दिवसीय हड़ताल की जाती है तो बीमा उद्योग में भी दो घंटे की बहिर्गमन हड़ताल को मध्य क्षेत्र में शानदार ढंग से सफल बनाया जाये।
3. 5 सितंबर को मजदूर– किसान के संयुक्त दिल्ली मार्च के अभियान को पूर्ण समर्थन देते हुए मध्य क्षेत्र के भोपाल से 50, ग्वालियर से 50 व अन्य सभी मंडलों से न्यूनतम 5 साथी (प्रत्येक मंडल) की भागीदारी सुनिश्चित की जाये।
4. आम बीमा क्षेत्र में हस्ताक्षर अभियान को पूर्ण सहयोग किया जाये।
5. जिन मंडलों में ट्रेड यूनियन कक्षाएं नहीं हुई वहां इसे यथाशीघ्र पूर्ण किया जाये तथा शाखा स्तर पर भी कक्षाएं की जायें।
6. संगठन को हर लिहाज से सशक्त बनाते हुए हमारी एकता की हिफाजत की जाये।
7. राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत के अभियान व उद्योग की प्रगति के लिए अभिकर्ताओं, बीमा धारकों के मध्य विभिन्न अभियान जारी रखे जायें और 1 सितंबर 2018 को 'राष्ट्रीयकृत एलआईसी की हिफाजत करो दिवस' का आयोजन कर गोष्ठी, पोस्टर प्रदर्शनी, सभाएं इत्यादि कार्यक्रम किये जायें।
8. आंदोलन की खबर, इंश्योरेंस वर्कर की पाठक संख्या बढ़ाने का अभियान व नवीनीकरण सही समय पर सुनिश्चित किया जाये।
9. भारत के लिए लोग मंच को पुनर्गठित कर इन अभियानों में इसे सक्रिय किया जाये।
10. एआईआईईए व ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के भावी आंदोलन के साथ ही व्यापक जन आंदोलन व अभियानों में अपनी सक्रिय भूमिका दर्ज की जाये।

कार्यकारिणी समिति ने इस बैठक के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए ग्वालियर डिवीजन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन के प्रत्येक साथियों का अभिनंदन किया और उन्हें बधाई दी। बैठक की समाप्ति के पश्चात बैठक स्थल पर ही कर्मचारियों की एक आमसभा संपन्न हुई जिसे सीजेडआईईए के महासचिव ने संबोधित करते हुए कार्यकारिणी समिति की बैठक की जानकारी दी व साथियों से इन निर्णयों को अमल में लाने जुटने की अपील की। सभा की अध्यक्षता जीडीआईईए अध्यक्ष काम. जे.पी. आर्य व संचालन महासचिव काम. बृजेश सिंह ने किया।

साथियों, आशा है मध्यक्षेत्र के हमारी सभी साथी सीजेडआईईए कार्यकारिणी समिति के इन निर्णयों के क्रियान्वयन में अपनी संपूर्ण क्षमता का योगदान सुनिश्चित करेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)
महासचिव